Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
YS/YH-201

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May – 2018

P.G. Diploma in Yoga Science/Yoga Health & Cultural Tourism, (Semester : Second)

Yoga Science

Patanjal Yog Darshan

Time: 3 Hours **Max. Marks: 75**

Note: This paper is of seventy five (75) marks divided into three (03) sections A, B, and C. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र पचहत्तर (75) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख, तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

Section - A / खण्ड–क

(Long Answer Type Questions) /(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

Note: Section 'A' contains five (05) long-answer-type questions of fifteen (15) marks each. Attempt any **three** questions. **(3×15=45)**

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. **पातञ्जल योगसूत्र के अनुसार चित्त की वृत्तियों को समझाते हुए, चित्त वृत्ति के उपायों का भी वर्णन कीजिए।**
   Explain the Vrittis of Chitta and also explain the methods of Chitta Vrittis according to Patanjal yog sutra.
2. **चित्त क्या है? चित्त के विक्षेपों का विस्तारपूर्वक वर्णन करें।**
   What is Chitta? Explain the Vikshep of Chitta in detail.
3. **ईश्वर के स्वरूप एवं विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।**
   Throw light on concept and Qualities of God (Ishwar).
4. **बहिरंग योग को समझाइये।**
   Elaborate "Bahirang Yog".
5. **संक्षिप्त टिप्पणी लिखें – 1. कैवल्य का स्वरूप 2. अष्टसिद्धि ।**
   Write short note on - 1. Nature of Kaivalya 2. Ashtta Siddhi

Section - B / खण्ड–ख

(Short Answer Type Questions) /(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

Note: Section 'B' contains Six (06) short-answer-type questions of five (05) marks each. Attempt any **four** (04) questions. **(4×5=20)**

नोट : खण्ड 'ख' में छः (06) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. **पातञ्जल योग सूत्र का संक्षिप्त परिचय लिखिये।**
   Write down the brief introduction of Patanjal Yog Sutra.
2. **पञ्चक्लेशों पर प्रकाश डालिये।**
   Throw light on Panch Kleshas.
3. **प्रत्याहार के स्वरूप एवं फल का वर्णन करें।**
   Describe the nature and fruits of Pratyahar.

4. चित्त के तीन परिणामों को समझाइये।
Explain the three results (Parinamas) of Chitta.
5. असम्प्रज्ञात समाधि की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।
Define the concept of 'Asamprajyat Samadhi'.
6. ऋतम्भरा प्रज्ञा क्या है? ऋतम्भरा प्रज्ञा की विशेषताओं का वर्णन करें।
What is 'Ritambara Pragya'? Explain the qualities of 'Ritambhara Prajya'.

Section - C / खण्ड–ग
(Objective Type Questions) /(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

Note: Section 'C' contains ten (10) objective-type questions of one (01) mark each. **All** the questions of this section are compulsory. **(10×01=10)**

नोट : खण्ड 'ग' में दस(10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. तत्र निरतिशयं सर्वज्ञ बीजम् सूत्र है .....
(अ) समाधिपाद (ब) साधनपाद
(स) विभूतिपाद (द) कैवल्यपाद
तत्र निरतिशयं सर्वज्ञ बीजम् Aphorism is from ……
(A) Smadhipad (B) Sadhnapad
(C) Vibhutipad (D) Kaivalyapad

2. कैवल्य का उपाय है .....
(अ) विवेक ख्याति (ब) अभ्यास
(स) वैराग्य (द) साधना
Solution of Kaivailya is ……..
(A) Vivek Khyati (B) Abhyas
(C) Vairagya (D) Sadhna

3. विभूतिपाद में कितने सूत्र हैं ?
(अ) 50 (ब) 51
(स) 55 (द) इनमें से कोई नहीं
How many sutras are in Vibhutipad?
(A) 50 (B) 51
(C) 55 (D) None of these

4. चित्त के कितने परिणाम हैं .....
(अ) 5 (ब) 3
(स) 6 (द) 2
How many Prinamas of 'Chitta' are …….
(A) 5 (B) 3
(C) 6 (D) 2

5. "ततः क्षीयते प्रकाशावरणम्" किसका फल है?
(अ) प्रत्यहार (ब) आसन
(स) प्राणायाम (द) इनमें से कोई नहीं
"ततः क्षीयते प्रकाशावरणम्" is the fruit of ……
(A) Pratyahar (B) Asana
(C) Pranayam (D) None of these

6. पातञ्जल योगदर्शन में प्रमाणों की संख्या कितनी हैं?
(अ) 3 (ब) 5
(स) 4 (द) 2
How many Praman are described in Patanjal Yog Darshan?
(A) 3 (B) 5
(C) 4 (D) 2

7. पतञ्जलि के अनुसार क्लेश नाश का उपाय है .....

(अ) क्रिया योग (ब) अष्टांग योग

(स) अभ्यास वैराग्य (द) संयम

Method of klesha elimination according to Patanjali is……..

(A) Kriya yog (B) Ashtang yog

(C) Abhyas – Vairagya (D) Sanyama

8. चित्त का स्वरूप है .....

(अ) जड़ (ब) चेतन

(स) स्वप्रकाशक (द) द्रष्टा

The nature of Chitta is …….

(A) Unconscious (B) Conscious

(C) Self enlightened (D) Seer

9. महर्षि पतञ्जलि के अनुसार किनका संयोग दुःख का कारण है?

(अ) द्रष्टा और गुण (ब) द्रष्टा और चित्त

(स) द्रष्टा और दृश्य (द) जीवात्मा और परमात्मा

According to Mahrishi Patanjali, the causes of sufferings is the association of ……

(A) Darshta and Guna (B) Darshta and Chitta

(C) Drashta and Drishya (D) Jivatma and Parmatma

10. 'सर्वरत्नोपस्थानम्' किसका परिणाम है?

(अ) अपरिग्रह (ब) प्रत्याहार

(स) सत्य (द) अस्तेय

'सर्वरत्नोपस्थानम्' is the result of …….

(A) Aparigraha (B) Pratyahara

(C) Satya (D) Asteya

----------x----------